खबर संक्षेप

अंगेठी की आग से बुजुर्ग की मौत

शहडोल। जिले में कड़ाके की ठंड ने एक जानलेवा रूप ले लिया है, जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के अमझोर मोहार टोला में मंगलवार रात 62 वर्षीय बुजुर्ग ईश्वरदीन रैदास अंगेठी की आग से जलकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे उनकी मौत हो गई। परिवार के अनुसार, बुजुर्ग ठंड से बचने के लिए अक्सर अपनी चारपाई के नीचे अंगेठी रखकर सोते थे। मंगलवार रात भी उन्होंने यही किया। घर के अन्य सदस्य अपने कमरों में सो गए थे, जबकि ईश्वर दिन अकेले अपने कमरे में सो रहे थे। बुधवार सुबह जब परिजन जागे तो कमरे से धुआं निकलता देख वे भयभीत हो गए। कमरे का दरवाजा खोलने पर चारपाई और बिस्तर आग की लपटों में झुलस चुके थे। अंदर ईश्वर दिन का शव बुरी तरह जल चुका था। जयसिंहनगर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। थाना प्रभारी अजय बैगा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह हादसा अंगेठी से चिंगारी लगने के कारण हुआ प्रतीत होता है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

वाश ऑन व्हील सेवा का बरूका सेक्टर में शुभारंभ

शहडोल। प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा समग्र स्वच्छता अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वाश ऑन व्हील कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता साथी क्यूआर कोड अथवा मोबाइल से प्राप्त संदेशों के आधार पर व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्वच्छता के दायित्वों का निर्धारित शुल्क पर निर्वहन करते हैं। सोहागपुर जनपद पंचायत के बरूका सेक्टर में स्वच्छता साथी देवदास द्वारा यह सेवाएं दी जा रही हैं। जनपद सदस्य मंधारी बैगा एवं बरूका सरपंच श्रीमती पुईया बैगा की उपस्थिति में स्वच्छता साथी द्वारा यह सेवाएं प्रारंभ की गई हैं।

13 दिसंबर को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत, विभिन्न प्रकरणों में मिलेगी छूट

शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल के अध्यक्ष के.एन. सिंह के मार्गदर्शन में वर्ष 2025 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर 2025 (शनिवार) को किया जाएगा। यह लोक अदालत जिला न्यायालय शहडोल सहित सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार एवं जयसिंहनगर में एक साथ आयोजित होगी। इस अवसर पर पक्षकार आपसी सहमति से लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण करा सकेंगे। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल मामले, चेक बाउन्स प्रकरण, पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, बैंक एवं वित्तीय संस्थानों के मामले तथा नगरपालिका के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेंद्र सिंह परस्ते ने बताया कि लोक अदालत में समझौते के आधार पर प्रकरण निपटाए जाने पर संपूर्ण कोर्ट फीस वापस हो जाती है और विवाद स्थायी रूप से समाप्त हो जाता है। विद्युत संबंधी प्रकरणों में इस लोक अदालत में विशेष छूट प्रदान की जाएगी। प्रीलिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व राशि पर 30 प्रतिशत की छूट तथा देरी से भुगतान पर लगने वाले 16 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

रीवा-शहडोल उड़नदस्ते की कार्रवाई

बांधवगढ़ के ताज पर लगा ताला!

नामचीन रिसॉर्ट्स में सेहत से खिलवाड़ का खुलासा

बिना लाइसेंस बार, एक्सपायरी मैदा और सड़ी सब्जियां!

पर्यटक स्वास्थ्य के साथ बड़ा धोखा, प्रशासन की ढिलाई उजागर

उमरिया।

विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के नामी-गिरामी रिसॉर्ट्स में पर्यटकों के स्वास्थ्य के साथ किस कदर खिलवाड़ किया जा रहा था, इसका खुलासा बुधवार को रीवा-शहडोल खाद्य सुरक्षा विभाग के संयुक्त उड़नदस्ता टीम की औचक कार्रवाई से हुआ। विभाग की सख्त कार्रवाई से लग्जरी रिसॉर्ट्स की कलई खुल गई है, जहां मानकों और नियमों को ताक पर रखकर अवैध बार संचालन और अस्वच्छ फूड मैन्युफैक्चरिंग का खेल चल रहा था।

अवैध बार और फैक्ट्री का पर्दाफाश

उड़नदस्ता टीम ने अपनी छापेमारी की शुरुआत ताज सफारी रिसॉर्ट से की। यह रिसॉर्ट केवल पर्यटन की लग्जरी सुविधाओं के लिए जाना जाता है, लेकिन जांच में यहां नियमों की धज्जियां उड़ती मिलीं। निरीक्षण के दौरान रिसॉर्ट में दो गंभीर अनियमितताएं उजागर हुईं, जिस पर टीम ने तत्काल कार्रवाई की। रिसॉर्ट के बार में अल्कोहॉलिक बेवरेज का भंडारण और विक्रय किया जा रहा था, जबकि रिसॉर्ट के फूड लाइसेंस की शर्तों में इसका कोई उल्लेख नहीं था। यह लाइसेंस की शर्तों का सीधा उल्लंघन है। टीम ने तत्काल प्रभाव से बार संचालन बंद करने के आदेश जारी किए। रिसॉर्ट के भीतर ब्रेड निर्माण का कार्य बड़े पैमाने पर चल रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस खाद्य निर्माण इकाई के लिए आवश्यक लाइसेंस रिसॉर्ट प्रबंधन के पास उपलब्ध नहीं था। इसके अतिरिक्त, भोजन तैयारी में मिसब्रांडेड दलिया का उपयोग पाया गया और समग्र खाद्य कारोबार का संचालन भी लाइसेंस की श्रेणी से बाहर था। टीम ने मौके से 5 महत्वपूर्ण खाद्य नमूने लिए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

कीड़े वाला आटा और सड़ी-गली सब्जियां

ताज सफारी की तरह ही, मॉनसून फॉरेस्ट रिज़ॉर्ट में भी स्थिति बेहद चिंताजनक और घिनौनी पाई गई। यहां खाद्य स्वच्छता की हालत इतनी दयनीय थी कि यह सीधे तौर पर पर्यटकों को बीमारियों के मुंह में धकेलने जैसा था, एक्सपायरी डेट का मैदा इस्तेमाल किया जा रहा था। भंडारित सब्जियां सड़ी-गली थीं। सबसे खतरनाक बात, जिस आटे से भोजन तैयार होता था, उसमें कीट पाए गए। शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को एक ही स्थान पर मिलाकर रखा गया था। भोजन तैयारी का पूरा क्षेत्र अस्वच्छ और अस्वास्थ्यकर स्थिति में था, जो गंभीर स्वास्थ्य जोखिम को दर्शाता है। टीम ने मॉनसून फॉरेस्ट रिज़ॉर्ट की गंभीर अनियमितताओं पर सख्त नोटिस जारी किया है और रिसॉर्ट का लाइसेंस तत्काल निलंबित करने की अनुशंसा जिला अधिकारी को भेज दी है।

कब जागेगा खाद्य विभाग?

यह कार्रवाई साफ दर्शाती है कि क्षेत्र के नामी रिसॉर्ट्स पर्यटन नियमों की आड़ में मुनाफाखोरी कर रहे थे और खाद्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मानकों को कचरे के डिब्बे में डाल रहे थे। बड़ा सवाल यह है कि यदि उड़नदस्ता टीम की आकस्मिक कार्रवाई में इतना बड़ा गोरखधंधा पकड़ा जा सकता है, तो स्थानीय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आज तक इन रिसॉर्ट्स का मानक निरीक्षण क्यों नहीं किया? क्या लाखों रुपए कमाने वाले ये रिसॉर्ट प्रबंधन चंद रुपए की बचत के लिए पर्यटकों को जानबूझकर सड़ा-गला और अवैध खाना परोस रहे थे और क्या स्थानीय प्रशासन इन्हें संरक्षण दे रहा था? इस बड़ी कार्रवाई ने उमरिया और बांधवगढ़ क्षेत्र में संचालित अन्य रिसॉर्ट्स की कार्यशैली पर भी प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। जिला प्रशासन को न केवल इन दोनों रिसॉर्ट्स पर कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए, बल्कि पूरे क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाकर स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे ऐसे सभी कारोबारों पर ताला लगाना चाहिए।

बुजुर्ग महिला की संदिग्ध मौत

शहडोल।

जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के खामड़ाड़ गांव में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला राधा बाई कोल की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होने से गांव में हडक़ंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर मामले की जांच में जुट गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार राधा बाई का शव उनकी झोपड़ी के पास पड़ा मिला। प्रारंभिक निरीक्षण में मृत्यु के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि जब उन्होंने महिला के घर का दौरा किया तो राधा बाई की मृत अवस्था देखी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घटना के समय महिला का नाती घर पर ही मौजूद था। पुलिस ने नाती से भी पूछताछ शुरू कर दी है ताकि घटना के कारणों को स्पष्ट किया जा सके। जानकारी के अनुसार राधा बाई के पति का निधन कई साल पहले हो चुका था और वे अकेले अपने नाती के साथ रहती थीं। पुलिस ने झोपड़ी और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया, आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारण का पता चलेगा। गांव में इस घटना को लेकर अफवाहें और चर्चाओं का दौर चल रहा है, जिससे ग्रामीणों में डर और चिंता व्याप्त है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच तेज कर दी है और आसपास के लोगों से सहयोग मांगा है।

अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि किसी भी परिस्थिति में संदिग्ध तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा और मामले का निष्पक्ष तरीके से खुलासा किया जाएगा। ग्रामीणों से भी पुलिस ने शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

जैतपुर में गैस सिलेंडर संकट गहराया

शहडोल।

जिले के जैतपुर क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों की कमी से ग्रामीणों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। गाड़ाघाट स्थित एचपी गैस गोदाम में पिछले एक माह से सिलेंडर की सप्लाई लगभग ठप्प पड़ी थी, जिसके कारण उपभोक्ताओं को खाना बनाने तक में कठिनाई झेलनी पड़ रही है। दीपवली के बाद से जिले में एचपी गैस वितरण बाधित होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं, जबकि प्रशासन की ओर से संकट से इनकार किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हालात स्पष्ट रूप से आपूर्ति तंत्र की कमजोर स्थिति बयान कर रहे हैं।करीब एक महीने बाद जब गैस सिलेंडरों से भरी गाड़ी गोदाम पहुंची तो, उपभोक्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सिलेंडर लेने के लिए सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीणों का कहना है कि वे लगातार बुकिंग कर रहे थे, लेकिन सिलेंडर

उपलब्ध न होने के कारण हर बार उन्हें वापस लौटना पड़ रहा था। घरों में गैस समाप्त होने से लोग या तो बाहर से भोजन मंगाने को मजबूर थे या फिर चूल्हे का सहारा ले रहे थे।

ग्राम गाड़ाघाट के निवासी राजकुमार सिंह ने बताया कि उनका सिलेंडर पिछले माह ही खत्म हो गया था। कई बार एजेंसी जाकर कर्मचारियों से अनुरोध किया, लेकिन हर बार 'स्टॉक खत्म' बताकर भेज दिया जाता था। उन्होंने कहा कि आज सप्लाई आने की सूचना मिलते ही वे सुबह से लाइन में लगे हैं। ललन तिवारी ने बताया कि गैस उपलब्ध न होने से वे दो सप्ताह से चूल्हे पर खाना बना रहे हैं, जिससे परिवार को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। वहीं उपभोक्ता सुरेंद्र ने कहा कि भीड़ इतनी अधिक थी कि सिलेंडर मिलने की संभावना कम दिखाई दे रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आपूर्ति कम होने से कई बार अनुचित वितरण की आशंका भी उत्पन्न होती है।

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि आपूर्ति का यह संकट जारी रहा तो ठंड के मौसम और त्योहारों के दौरान दिक्कतें और बढ़ेंगी। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस वितरण प्रणाली की जांच कर नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को मूलभूत जरूरत के लिए भटकना न पड़े।

संबंधित विभाग के अधिकारियों से इस बारे में संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन देर शाम तक किसी भी अधिकारी की प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने तक विरोध भी किया जा सकता है।

पेड़ से टकराई बोलेरो, तीन घायल, एक की हालत गंभीर

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के टिहकी गांव के पास बुधवार सुबह लगभग 7:30 बजे एक गंभीर सडक़ दुर्घटना हुई। तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अचानक पेड़ से टकरा गया, जिसमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। पुलिस के अनुसार, हादसे का कारण वाहन चालक को अचानक झपकी लगना बताया गया है। चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बोलेरो सडक़ किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और सवार लोग वाहन में फंस गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत मदद कर तीनों घायलों को वाहन से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान अभी सामने नहीं आई है, जबकि अन्य दो की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि सभी यात्री मेरठ के निवासी हैं और दुर्ग से उत्तर प्रदेश की ओर यात्रा कर रहे थे। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग इक_ा हो गए, लेकिन पुलिस ने शीघ्र ही स्थिति को नियंत्रित कर कार्यवाही शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि सडक़ पर सावधानी बरतें और तेज रफ्तार से वाहन न चलाएं। घटना से यह भी स्पष्ट हो गया है कि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान थकान या झपकी वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। पुलिस ने कहा कि सभी सुरक्षा नियमों का पालन करने और दुर्घटना से बचाव के लिए यात्रियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

गोंगपा ने ब्योहारी थाना पर गंभीर आरोप लगाते हुए सौंपा ज्ञापन

शहडोल। जिले के ब्योहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भमरहा-02 में 14 अक्टूबर को धारदार कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल किए गए चन्द्रकली व रामसुजान के मामले में ब्योहारी पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए गोंगपा ने प्रशासन को सख्त चेतावनी दी है। गोंगपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामचरण कुशवाहा ने बताया कि आरोपी ने चन्द्रकली के सिर में गंभीर चोट लगाई थी, जिसके कारण उनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्योहारी से रीवा संजय गांधी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। बावजूद इसके पुलिस ने आरोपी के खिलाफ साधारण धाराओं में प्रकरण दर्ज कर दिया। इससे आरोपी खुलेआम घूमकर फरियादी को जान से मारने की धमकियां दे रहा है।

रामचरण कुशवाहा ने 9 दिसंबर 2025 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ब्योहारी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) ब्योहारी और थाना प्रभारी ब्योहारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सात दिन के भीतर आरोपी के खिलाफ गंभीर चोट की धारा लगाकर गिरफ्तारी करने की मांग की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय में उचित कार्रवाई नहीं होती है तो गोंगपा 16 दिसंबर को ब्योहारी थाना का घेराव करेगी। ज्ञापन में कहा गया है कि पुलिस की यह कार्रवाई न केवल न्याय की अनदेखी है बल्कि अपराध को बढ़ावा देने वाली है। गोंगपा ने प्रशासन से शीघ्र और कड़े कदम उठाने की मांग की है ताकि आरोपी को गिरफ्तार कर कानून के तहत न्याय दिलाया जा सके। स्थानीय लोग और गोंगपा कार्यकर्ता इस मामले में पुलिस की निष्क्रियता को लेकर गुस्से में हैं और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे हैं।

इनका कहना है...

लगाये गये आरोप गलत है, मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर विवेचना में धाराएं बढ़ा दी गयी है, आरोपी को पकड़ कर आज न्यायलय मे पेश किया गया है।

ऋषभ छारी
थाना प्रभारी, ब्योहारी

आरक्षक महेश पाठक को शहीद का दर्जा देने की मांग

शहडोल। ड्यूटी के दौरान हुई सडक़ दुर्घटना में आरक्षक महेश पाठक की मृत्यु के बाद उन्हें शहीद का दर्जा दिए जाने की मांग तेज हो गई है। बुधवार को करीब 300 नागरिकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री और कलेक्टर को संबोधित एक सामूहिक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 7 दिसंबर 2025 को बस स्टैंड पर यातायात व्यवस्था संभालते समय एक अनियंत्रित बस ने आरक्षक पाठक को तेजी से टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। बताया गया कि वे लगातार बस स्टैंड क्षेत्र में अव्यवस्थित यातायात एवं अतिक्रमण को नियंत्रित कर रहे थे, जिससे आमजन में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा था। उनकी अचानक हुई मृत्यु से शहर में गहरा शोक व्याप्त है। नागरिकों ने शासन से मांग की कि कर्तव्य पालन के दौरान हुए इस हादसे को राज्य सेवा में शहादत मानते हुए आरक्षक पाठक को शहीद का दर्जा दिया जाए, ताकि उनके परिवार को निर्धारित लाभ मिल सकें। साथ ही दुर्घटना के लिए जिम्मेदार बस चालक और वाहन स्वामी पर कठोर कार्रवाई की मांग भी की गई है। इसके अतिरिक्त नागरिकों ने शहडोल बस स्टैंड का नामकरण दिवंगत आरक्षक के नाम पर करने और बस स्टैंड स्थित उद्यान में उनकी पुलिस वर्दी में प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी रखी। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद लोगों ने आरक्षक महेश पाठक को श्रद्धांजलि देते हुए जल्द से जल्द उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई करने की अपील की है। ज्ञापन के दौरान समाजसेवी सबी खान बंटी, पार्षद विकास तिवारी, पार्षद सिल्लू रजक, पार्षद प्रभात पांडे, पार्षद राजा यादव, शेख आबिद, अर्चना सिंह, अंजलि,रेणुका,आशीष गोले, मोहसिन खान, शुभम मिश्रा, अजहर, दानिश,गोल्डी, सुमित पनिका,शिवा सिंह, प्रीतम सिंह, आशीष सिंह,अमर सिंह, प्रकाश सिंह,सागर चौधरी, सैफ़ ख़ान,अनुज सिंह, कुलदीप यादव, रौशन चौधरी, अभय, अर्श अली, विवेक,राज, आदित्य,आशु गौतम, मानिया, एवं सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

ट्रक ने शिक्षक को रौंदा, मौके पर मौत

शहडोल।

जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के दियापीपर में बुधवार सुबह एक भयावह सडक़ दुर्घटना में बाइक सवार शिक्षक तुलसीदास सिंह (झापीटोला) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक शिक्षक स्कूल ड्यूटी के लिए बाइक से जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार और गैस सिलेंडरों से लदे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक

इतनी बेकाबू हालत में था कि टक्कर के बाद पलटते-पलटते ही बचा। ग्रामीणों ने कहा कि यदि ट्रक पलट जाता या सिलेंडर फटते, तो आसपास के क्षेत्र में बड़ी जनहानि हो सकती थी। हादसा उस जगह हुआ जहां आस-पास दुकानें और वाहन काफी हैं, जिससे एक बड़ा विस्फोट टल गया।

हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक वाहन छोडक़र भागने की कोशिश में लगा, लेकिन जयसिंहनगर पुलिस ने पीछा कर उसे और ट्रक को पकड़ लिया। पुलिस ने चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और मौत का कारण बनने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोग और शिक्षक समुदाय हादसे से स्तब्ध हैं। पुलिस ने लोगों से सडक़ पर सतर्क रहने और भारी वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

न्यायालय :- सुश्री दीप्ति चौहान, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड शहडोल, जिला शहडोल म.प्र.
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 19008 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(आरसीएसए-29/2025)
गीता सिंह
बनाम
निवारा डेवलपर्स श्यामबाग कल्यानपुर शहडोल पार्टनर्स वगै.
Process Id-Q/2025
पेशी दिनांक 10-01-2026

प्रेषिती

प्रतिवादी क्रमांक 10, 25 लगायत 27 (10) अमित कुमार सिंह पिता अशोक कुमार सिंह निवासी वार्ड नं. 10 बिरसिंहपुर तहसील पाली जिला उमरिया म.प्र.
(25) संध्या सिंह, पिता अवधेश प्रातप सिंह निवासी ग्राम पटासी सोहागपुर जिला शहडोल म.प्र. (26.) देवमुनी पिता बाबू राम राजनर (27) लांगी देवी पति बाबू राम राजभर, दोनों निवासी अनूपपुर जिला अनूपपुर म.प्र.

यह कि वादी श्रीमती गीता सिंह पिता स्व. चन्द्रोदय पत्नी स्व. सुरेन्द्र प्रताप सिंह आयु 62 वर्ष निवासी ग्राम पटासी थाना व तहसील सोहागपुर जिला शहडोल म.प्र.हाल निवासी 1166 / 14 ओम नगर गोरा बाजार निकट पी.ए.सी. तहसील व थाना रायबरेली जिला रायबरेली उत्तरप्रदेश में वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके आपको आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिनअपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मूजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में राज्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टी करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो याद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थित में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत कराये। पेशी दिनांक को उपस्थित होवें।

न्यायालय :- सुश्री दीप्ति चौहान, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड शहडोल, जिला शहडोल म.प्र.

सेचुरेशन अप्रोच के साथ बाल विवाह समाप्ति के लिये प्रयासः जिला कार्यक्रम अधिकारी

उमरिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता ने बताया कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने हेतु बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय इन्टेसिव थीम वाले जागरूकता अभियान का संचालन 8 मार्च 2026 तक किया जाना है।अभियान सेचुरेशन अप्रोच के साथ चलाया जाना है। ताकि प्रत्येक चिन्हित संस्था,सामुदायिक स्थल एवं सर्विस प्रदाता तक पहुच सुनिश्चित हो सके।

प्रथम फेज में गतिविधियां स्कूल ,छात्रावासों एवं कालेजो में किशोरो एवं युवाओ के साथ दूसरे फेज में धार्मिक जगहो एवं विवाह सर्विस प्रोवाइडरों के साथ एवं तीसरे फेज में समुदाय स्तर पर जुड़ाव एवं ओनरशिप को मजबूत करने हेतु ग्राम पंचायतो एवं वार्डो पर फोकस किया जावेगा। अभियान के दौरान बाल विवाह रोकथाम में सहायक विभिन्न हितधारकों हेतु प्रशिक्षणों का भी आयोजन किया जावेगा । उन्होने बताया कि प्रथम फेज की गतिविधियों के क्रम में शासकीय

कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया में बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग उमरिया से वर्कर दिव्या तिवारी, अनीता चौरसिया,सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर दशरथ बैगा बाल संरक्षण अधिकारी एवं चौतन्य संस्था से जिला समन्वयक प्रियंका प्रजापति और फील्ड एसोसिएट सीमा सिंह तथा विद्यालय प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ व बालिकाएं उपस्थित रहे । कार्यक्रम में दिव्या तिवारी द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देते हुये बताया गया कि बाल विवाह एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो बच्चों के सारे अधिकारों को छीन लेती है। साथ ही उनके द्वारा टोल फ्री नंबर 1098, 181, 112, 1930 कि जानकारी दी गई। अनीता चौरसिया द्वारा बाल विवाह के दुष्परिणामो के बारे में चर्चा करते हुये बताया गया कि बाल विवाह, घरेलु हिंसा , मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर के साथ साथ एनीमिया एवं कुपोषण को भी बढावा देती है। जागरूकता सत्र में प्रियंका प्रजापति द्वारा सुरक्षित असुरक्षित स्पर्श के साथ साथ सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग पर भी जानकारी दी गयी। सत्र का समापन बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ के साथ किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शा. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हाई स्कूल के स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

खबर संक्षेप

लेबर कोड के खिलाफ उग्र आंदोलन की राह पर संयुक्त मोर्चा

हरिभूमि न्यूज जमुना, कोतमा। मजदूर अधिकारों पर बढ़ते हमलों के विरोध में संयुक्त मोर्चा जमुना कोतमा क्षेत्र ने उग्र आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। 9 दिसंबर को मजदूर चौक कोतमा कॉलरी स्थित सीटू कार्यालय में हुई बैठक में तय किया गया कि 15 दिसंबर को जिला मुख्यालय में प्रदर्शन और 24 दिसंबर को इंदौर स्थित श्रमायुक्त कार्यालय में विशाल प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें अनूपपुर जिले से बड़ी संख्या में मजदूर शामिल होंगे। सीटू जिला महासचिव इंद्रपती सिंह ने कहा कि संशोधित लेबर कोड मजदूरों के अधिकारों को कमजोर कर उन्हें 'कमाऊ मशीन' में बदलने का प्रयास है। सरकार ने बिना सार्वजनिक चर्चा 50 करोड़ से अधिक मजदूरों का भविष्य बदल दिया, जिससे स्थायी रोजगार, यूनियन अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और मजदूर परिभाषा सभी कमजोर हो गए हैं ठेका प्रथा, फिक्स्ड टर्म रोजगार और हड़ताल पर कठोर प्रतिबंध श्रमिक आंदोलन को कुचलने की साजिश हैं। दउन्होंने कहा कि यह केवल मजदूर वर्ग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की लड़ाई है, जिसके लिए व्यापक एकता और संघर्ष की आवश्यकता है। बैठक में आर.एस. यादव, संजय पटेल, रमेश कुमार कुशवाहा, रमाशंकर तिवारी, अनिल शर्मा, प्रमोद खंडई, एयाज अली सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जैतहरी में नवांकुर संस्था ने किया बोरी बंधान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला अनूपपुर एवं विकासखंड जैतहरी के नेतृत्व में नवांकुर संस्था आनंदम सोशल वेलफेयर सोसाइटी धनगंवा पूर्वी द्वारा जल संचय अभियान के तहत ग्राम पंचायत भेलमा के शंकर धाम उड़दहा नाला में 64 बोरियों का बोरी बंधान कार्य सामूहिक श्रमदान से संपन्न किया गया। जल संरक्षण के उद्देश्य से किए गए इस श्रमदान का मुख्य लक्ष्य बहते जल व वर्षा जल को रोककर भूजल स्तर बढ़ाना, कृषि और मवेशियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने जल संचय और संरक्षण को जीवन में अपनाने की शपथ भी ली इस सामूहिक अभियान में जन अभियान परिषद के जिलास्तर एवं विकासखंड स्तर के समन्वयक, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पोड़ी के सदस्य तथा छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी से पांच हजार रूपये की दी गई मदद

उमरिया। बिरसिंहपुर पाली निवासी श्रीमती संतोश तिवारी उपाध्याय निवासी पाली ने कलेक्टर एवं भारतीय रेडक्रास सोसायटी अध्यक्ष धरणेन्द्र कुमार जैन से मुलाकात कर बेटी ज्योति तिवारी के इलाज के दौरान मुंबई आने जाने हेतु मदद की मांग कि थी, जिस पर रेडक्रास सोसायटी से 5 हजार रूपये की मदद श्रीमती संतोश तिवारी उपाध्याय को दी गई। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने आम नागरिकों से अपील की है कि रेडक्रास में अधिक से अधिक दान करें ताकि जिले के जरूरतमंदों तक मदद पहुंच सके। इस अवसर पर भारतीय रेडक्रास सोसायटी के सचिव राकेश शर्मा,सभापति अखिलेश त्रिपाठी,आशुतोष अग्रवाल,मिथिलेश पयासी सहित अन्य जन उपस्थित रहे।

जिला जेल में जन जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जेल अधीक्षक डी.के.सारस ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के अवसर पर जिला जेल उमरिया मे जन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बंदियों को मानव अधिकार जैसे जेल में बंदी एवं उनके परिजनो से मुलाकात, शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, स्वरोजगार प्रशिक्षण, स्वच्छता, अच्छा आचरण व्यवहार, अध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, परिवार के साथ समन्वय कर स्वयं में सुधार लाना, आपराधिक प्रकरण में पैरवी के लिए अधिवक्ता, विधिक सहायता की जानकारी तथा जेल के नियम का पालन कर कर्तव्य एवं उनके अधिकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

उन्होने बताया कि ठंड के मौसम में बचाव के लिए संस्था के द्वारा ऐसे गरीब बंदी जिनके पास कपडे, मोजे नहीं थे उनके कोई परिजन मुलाकात में नही आते उन्हें यह सामग्री प्रदान किया गया। बंदियो के द्वारा प्रतिदिन किये जा रहे योगा, पी.टी., सामुदायिक प्रार्थना, भजन, गीत-संगीत की सुंदर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान कर भारत माता की जय घोष कर बंदियों के द्वारा अपने अधिकार एवं कर्तव्य का समंवय बना कर जेल में

अनुशासन में रहने ली शपथ ली गई। जेल अधीक्षक डी0 के0 सारस द्वारा बंदियों को स्वरोजगार प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर महिला बंदियों को नगर पालिका के माध्यम से स्वसहायता समूह की कार्यकर्ता से पंजीयन करने के लिए बताया गया। इस अवसर पर भारतीय मानव अधिकार एसोशिएशन उमरिया के जिला अध्यक्ष राहुल अग्निहोत्री, माधवी सिंह महिला संरक्षण प्रमुख एवं सदस्य सविता पाठक तथा रंजना सिंह बघेल नगर पालिका स्वसहायता समूह की कार्यकर्ता एवं आशीष कुमार रिछारिया , जेलर/उप अधीक्षक माखन सिंह मार्को, ड्यूटीरत अधिकारी एवं कर्मचारी/प्रहरी, मुख्य प्रहरी उपस्थित रहे।

पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने बताया कि भारत सरकार सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा विश्वकर्मा लाभार्थियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम जनपद पंचायत सभागृह मानपुर में जनपद पंचायत अध्यक्ष मानपुर ममता सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 100 पी एम विश्वकर्मा योजना लाभार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा मूल्य निर्धारण, रणनीतियां बाजार के रुझान, बिक्री एवं विपणन रणनीतियां, उत्पाद पैकेजिंग,लेबलिंग एवं वित्तीय साक्षरता,क्यू आर कोड जनरेशन आदि की जानकारी लाभार्थियों को दी गयी। इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग दिनेश मर्सकोले, सुजीत कुमार घोष, राज्य नोडल अधिकारी, पी एम विश्वकर्मा योजना, सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उधम मंत्रालय, नई दिल्ली भारत सरकार, अग्रणी प्रबंधक , स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया , प्रमोद पटेल ट्रेनिंग अफसर, आईटीआई उमरिया एवं अधिकारी , कर्मचारी उपस्थित रहे।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों का म.प्र. दर्शन सह अध्ययन भ्रमण 26 से 28 दिसंबर तक

सीईओ जिला पंचायत नोडल अधिकारी नियुक्त

उमरिया। आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी म.प्र.भोपाल द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा म.प्र. संवर्ग 2024 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों का म.प्र. दर्शन, सह अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम जिले में 26 दिसंबर 2025 से 28 दिसंबर 2025 तक होना है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने उमरिया जिले के अध्ययन भ्रमण दल के अधिकारियों के लिए समस्त आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। भ्रमण कार्यक्रम के तहत उमरिया जिले के बांधवगढ़ राष्ट्रीय बाघ अभ्यारण्य का प्रबंधन वन, राजस्व, खनिज एवं पुलिस के मध्य समन्वय, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन, अध्ययन दल द्वारा किया जावेगा। जिसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारी दल के साथ रहकर गतिविधियों से अवगत करायेगें।

शासकीय माध्यमिक स्कूल अचला में कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला के निर्देशानुसार और सेक्टर 3 की परामर्शदाता जय भारती साहू के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत अचला के शासकीय माध्यमिक स्कूल में मानव अधिकार दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं द्वारा स्कूल के बच्चों को मानव अधिकार , बाल अधिकार के बारे में जानकारी दी गई । मानवाधिकार का मुख्य उद्देश्य हर व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा करना है, ताकि सभी को एक अच्छा और गरिमामय जीवन जीने के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएँ (शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, आवास, सुरक्षा) मिलें, समानता, न्याय और सम्मान को बढ़ावा मिले, और राज्य व व्यक्तियों के बीच संबंध सुधरे, जिससे समाज में शांति और सद्भाव स्थापित हो सके। कार्यक्रम में शासकीय माध्यमिक स्कूल व प्राइमरी स्कूल के शिक्षक शिक्षिका मुरलीधर डहरवाल,अमित सिंह बघेल,रीना राहंगडाले, सारिका विश्वकर्मा ,अरुण भट्ट ,अमर यादव एवं सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयसिंहनगर। मध्य प्रदेश राज्य शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार जिला स्तरीय क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में 9 दिसम्बर को शुरुआत हुआ, उद्घाटन मैच शासकीय महाविद्यालय भोपाल एवं जयसिंहनगर के मध्य खेला गया, जिसमें जयसिंहनगर टीम विजेता रही, दूसरा मैच शंभूनाथ विश्वविद्यालय एवं बुढार महाविद्यालय के मध्य खेला जा रहा है । जिसमें शंभूनाथ विश्वविद्यालय के छात्र विजेता रहे, उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनारायण पांडेय एवं विशिष्ट अतिथि राजेश द्विवेदी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.धर्मेंद्र द्विवेदी ने की एवं मंच का सफल संचालन दिलीप शुक्ला ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत जैतहरी में संपन्न हुआ जिसमे जिला क्वालिटी मॉनिटर श्रीमती पूनम सिंह, जिला महिला स्व सहायता समूह अध्यक्ष श्रीमती द्रोपती रजक, जनपद शिक्षा केंद्र जैतहरी विष्णु प्रसाद मिश्र, जोगेंद्र कुमार नापित, बालमीक सिंह मार्को एवं जितेंद्र कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

धान परिवहन के दौरान ट्रक से गिरी बोरियां

चालक ने केंद्र प्रभारी पर लगाया अधिक भार लोड कराने का आरोप

हरिभूमि न्यूज, कोतमा। 9 दिसंबर को धान खरीदी केंद्र से दारसागर वेयर हाउस के लिए निकला ट्रक रेलवे अंडरब्रिज, कोतमा में आकर फँस गया। ट्रक के फँसने के दौरान धान की कई बोरियाँ वाहन से नीचे गिर गईं। घटना की जानकारी सम्बंधित अधिकारियों को दी गई। अगले ही दिन 10 दिसंबर को ट्रक पुनः रवाना हुआ, किंतु कोतमा थाना परिसर के सामने से गुजरते समय फिर से धान की बोरियाँ सड़क पर गिर गईं। इस पर ट्रक चालक दिनेश ने धान खरीदी केंद्र के प्रभारी पर जबरन निर्धारित क्षमता से अधिक मात्रा में बोरी लोड कराने का आरोप लगाया। चालक का कहना था कि आवश्यकता से अधिक वजन के कारण ट्रक का संतुलन बिगड़ रहा है और बार-बार बोरियाँ गिर रही हैं। घटना की शिकायत पर कोतमा थाना पुलिस ने जांच की प्रक्रिया शुरू करते हुए संबंधित प्रकरण में चालान तैयार किया। पुलिस अब मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

संजीवनी क्लीनिक राजनगर में डॉ.हनी जसवानी की हुई पदस्थापना

हरिभूमि न्यूज़राजनगर। अनूपपुर जिले के नगर परिषद (बनगवां) राजनगर के स्थानी यह नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग आखिरकार पूरी हो गई है। नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह की सक्रिय पहल और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप संजीवनी क्लीनिक, राजनगर में डॉक्टर हनी जसवानी की नियमित पदस्थापना की गई है। यह निर्णय स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक नगर में किसी संजीवनी से कम नहीं है, यह संजीवनी क्लीनिक राजनगर बस स्टैंड के समीप ही है जहां पर आवागमन का पर्याप्त साधन है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी भी नहीं होगी। आने वाले समय में और भी सुविधा बढ़ाए जाने हेतु जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रयास किया जा रहा है। काफी समय से क्षेत्रवासियों को सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए नगर से बाहर जाना पड़ता था। संजीवनी क्लिनिक में चिकित्सकों की अनुपस्थिति को लेकर लोगों में असंतोष था। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष यशवंत सिंह ने संबंधित विभागों से लगातार संवाद किया और स्वास्थ्य सेवा ढांचे को सुधारने की दिशा में ठोस पहल की। अब डॉक्टर हनी जसवानी की नियुक्ति के बाद, नगरवासियों को प्राथमिक चिकित्सा से लेकर आवश्यक परामर्श तक की सुविधा यहीं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी। इससे न केवल आम जनता को राहत मिलेगी, बल्कि आपात परिस्थितियों में भी त्वरित उपचार का मार्ग सुगम होगा। अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य राजनगर को "सुचारु स्वास्थ्य व्यवस्था वाला मॉडल क्षेत्र" बनाना है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में क्लीनिक में दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने और मशीनरी को अपग्रेड करने की योजना भी तैयार की जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम राजनगर के लिए एक बड़ी राहत है और नगर परिषद के सजग नेतृत्व का प्रमाण भी।

इनका कहना है,

मैं जिले में बात कर स्टाफ का प्रबंध करवाता हूं।
डॉ. बीएल दीवान
खंड चिकित्सा अधिकारी कोतमा

कॉलरी के खाली पड़े आवासों में अपराधियों सहित प्राइवेट लोगों का कब्जा

आवास के साथ ले रहे मुफ्त बिजली-पानी का लाभ, आवास को बनाया शराब दुकान

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोल इंडिया की सह कंपनी एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के गोविंदा लहसुई कैंप कालोनी में कोयला कर्मचारियों के आवास में अवैध रूप से बाहरी एवं अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के द्वारा कब्जा करके लंबे समय से निवास कर रहे हैं। अवैध कब्जा धारियों के द्वारा अपराधिक गतिविधियों को भी अंजाम देते हैं। जिसके कई मामले भी सामने आ चुके है। कालरी के आवास में कब्जा कर मुफ्त बिजली, पानी का उपयोग करने से कॉलरी प्रबंधन को प्रति माह करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ता है। आवास में अवैध कब्जे की शिकायत कोयला मजदूर यूनियन संगठन द्वारा लिखित रूप से शिकायत किया गया था किंतु कोल प्रबंधन के अधिकारियों की मौन स्वीकृत के कारण आज तक कोयला मजदूरो के आवासों को खाली नहीं कराया जा सका। कोयला खदान में कार्यरत कई मजदूरों को आज तक आवास का आवंटन नहीं किया गया है। ज्ञात रहे कि जमुना

कोतमा क्षेत्र में कोयला मजदूरों के 5 हजार आवास निर्मित जबकि कार्यरत कोयला मजदूर लगभग 2200 ही है। इसके बावजूद भी कोल प्रबंधन की मौन स्वीकृत एवं लापरवाही के कारण कोयला मजदूर जो कार्यरत है उन्हें आज तक आवास आवंटन नहीं किया गया। जिससे कोयला मजदूर आवास के लिए भटकते नजर आ रहे है। सूत्रों से मिली जानकारी जमुना कालरी भालूमाड़ा गोबिंदा लहसुई कैंप कालोनी मिलाकर लगभग 5 हजार निर्मित आवास में आधे से ज्यादा लोग अवैध रूप से रहकर फ्री का बिजली, पानी एवं अन्य सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। जबकि कोयला मजदूरों के वेतन से एक प्रतिशत की राशि आवास के रखरखाव में काटा जा रहा है। कोयला मजदूर संगठनों द्वारा कोल प्रबंधन को पत्र देकर अवगत कराया गया था जिस पर प्रबंधन ने कोयला मजदूर संगठन को आश्वस्त किया था कि सर्वे कराकर अवैध रूप से कोयला मजदूर आवास में रह रहे अवैध कब्जाधारियों को हटाया जाएगा।लेकिन अब तक कोयला मजदूर आवास में निवासरत एक भी कब्जेधारी को बाहर का रास्ता नहीं दिखाया गया। कॉलरी प्रबंधन पर अवैध कब्जाधारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए यूनियन के नेताओं एवं कोयला मजदूरो का कहना है कि अतिक्रमणकारियों से प्रभावित होकर कार्यवाही पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसको लेकर कोयला मजदूर उच्च अधिकारियों के समक्ष शिकायत करेगी। अबैध बिजली के उपयोग को लेकर विगत दिनों विजिलेंस टीम के द्वारा जमुना कालोनी मे जांच की गई थी जिस को प्रबंधन ने गंभीरता से लेते हुए दो लोगों को निलंबित भी किया गया है लेकिन भालूमाड़ा गोबिंदा लहसुई कैंप कालोनी में जांच नही होने से बाहरी लोगों के हौसले बुलंद हैं।

आवास को बनाया शराब दुकान

कालरी श्रमिकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है कि गोविंदा कालोनी मे श्रमिक आवास में एक प्राइवेट व्यक्ति के द्वारा अवैध कब्जा जमाते हुए शराब की बिक्री की जा रही है। जहा पर बकायदे बैठाकर शराब भी पिलाई जा रही है। बाकायदे शराब ठेकेदार के कर्मचारी के द्वारा मोटर साइकिल में अवैध रूप से शराब पहुंचाई जा रही है।

खबर संक्षेप

उचित मूल्य दुकानों से मिल रहा पोषण युक्त चावल और नमक

अनूपपुर। जिले की सभी शासकीय उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त हितग्राहियों को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में शासन द्वारा फोर्टिफाईड चावल (आयरन, विटामिन ठ-12 एवं फॉलिक एसिड युक्त) एवं "वन्या प्लस' डबल फोर्टिफाईड नमक (आयोडिन एवं आयरन युक्त) का वितरण किया जा रहा है, जिसके सेवन से खून की कमी (एनीमिया) दूर होती है। फोर्टिफाईड चावल जनवरी 2023 से मध्यप्रदेश के सभी जिलों में वितरित किया जा रहा है। चावल को फोर्टिफाईड करने के लिए सामान्य चावल में आयरन, विटामिन बी-12, और फोल्लिकएसिड से युक्त फोर्टिफाईड चावल के दाने 1 प्रतिशत की मात्रा मे मतलब 100 कि.ग्रा सामान्य चावल में 1 कि.ग्रा. फोर्टिफाईड चावल के दाने मिलाए जाते है। फोर्टिफाईड चावल के दाने सामान्य चावल की तरह दीखते है। फोर्टिफाईड चावल की दाने पकाते या धोते समय अलग से दिखे तो इन चावलों को अलग न करे और इनका सामान्य चावल की तरह सेवन करे। कृपया ध्यान रखे, यह प्लास्टिक चावल नहीं है बल्कि पोषण युक्त चावल है अतः भूमक जानकारियों से बचे। इसी प्रकार आयोडीन एवं आयरन युक्त डबल फोर्टिफाईड नमक "वान्या प्लस" नाम से म.प्र. के 20 जिलों (आदिवासी बाहुल्य जिले) की शासकीय उचित मूल्य दुकान से 1 रुपया प्रति किलो की दर से प्रदाय किया जा है। आमजन में यह भ्रम है कि उक्त डबल फोर्टिफाईड नमक में काले बारिक कण पाये गये है जो कि वास्तविकता में आयरन (लौह तत्व) के कण है, इसके सेवन से खून की कमी (एनीमिया) दूर होती है। फिर भी अगर आप को कोई भी अन्य सवाल हो या जानकारी चाहिए हो तो अपने गाँव की कंट्रोल की दुकान के दुकानदार से संपर्क करें।

पुलिस ने की कार्यवाही, डेढ़ लाख की शराब जब्त

कटनी। अवैध शराब के खिलाफ जिले भर के 15 थानों की पुलिस ने कार्यवाही कर बड़ी मात्रा में शराब जब्त की है। 15 थानों की पुलिस ने अवैध शराब जब्ती के 87 मामले दर्ज करते हुए करीब डेढ़ लाख रूपए की देशी, विदेशी और कच्ची शराब बरामद की। माधवनगर पुलिस ने सबसे ज्यादा 10 मामले दर्ज किए हैं। पुलिस द्वारा अवैध पैकारियों, अहातों और खुले में मदिरा का सेवन करने वालों पर भी सख्ती दिखाई जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब का धंधा करने वालों में हडक़म्प मचा हुआ है। पिछले 24 घंटे के दौरान पुलिस ने जो कार्यवाही की है उनमें शराब की अवैध बिक्री एवं खुले और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों पर भी प्रकरण कायम किया गया है।

सुशील नामदेव का निधन

धनपुरी। राजीव मार्केट वार्ड नंबर 22 निवासी सुशील नामदेव, जो नगर पालिका में अस्थायी कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे, का अचानक स्वास्थ्य खराब होने के बाद 8

दिसंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 9 दिसंबर को उनके निधन की दुखद सूचना मिलते ही परिवारजनों, ईष्ट–मित्रों और पूरे वार्ड क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।सुशील नामदेव अपने हंसमुख स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और हर सामाजिक कार्य में सक्रिय भूमिका के लिए जाने जाते थे। नगर पालिका के विभिन्न छोटे-बड़े कार्यक्रमों में वे माइक संचालन की जिम्मेदारी बड़े ही सहज और दक्षता से निभाते थे। उनकी यह कला और सेवा भावना हमेशा याद की जाएगी। उनकी आकस्मिक मृत्यु से नगर पालिका परिवार भी स्तब्ध है। नगरपालिका अधिकारी, कर्मचारी और पार्षदगण उनके निवास स्थान पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। उनका अंतिम संस्कार नगर के मुक्तिधाम में किया गया।शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में नगर पालिका उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा,आनंद मोहन जायसवाल राम सिंह एसपी सिंह, प्रवीण बड़ोलिया, मोहम्मद आजाद शैलेश गुप्ता सुभाष गुप्ता काफी संख्या में लोग शोक व्यक्त किया।

धनपुरी कोयलांचल का ढलता व्यापार

बंद होती खदानें, अधूरी योजनाएँ और टूटती उम्मीदें

धनपुरी का संघर्ष सिर्फ खदानों के बंद होने का नहीं, बल्कि उस आशा का भी है जो एक समय नगर को जीवंत बनाती थी। व्यापार ही इस नगर की आर्थिक रीढ़ है, और वह रीढ़ आज कमजोर हो चुकी है। यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो धनपुरी कोयलांचल की पहचान इतिहास बन सकती है।

धनपुरी।

कभी काला हीरे की चमक से दमकते धनपुरी कोयलांचल का व्यापार आज मंदी की गिरफ्त में है। एक समय था जब धनपुरी की पहचान सिर्फ कोयला उत्पादन से नहीं, बल्कि यहाँ की व्यापारिक रौनक से जुड़ी रहती थी। बाज़ारों की चहल-पहल, दुकानों की लगातार होती बिक्री और खदानों से आने वाली मजदूरी ने इस नगर को वर्षों तक जीवंत रखा। लेकिन आज स्थिति ठीक इसके उलट है।सोहागपुर एरिया में लगभग एक दर्जन कोयला खदानें संचालित थीं, जहाँ करीब 20 हजार कर्मचारी अपने परिवारों के साथ इस नगर की अर्थव्यवस्था को मजबूती देते थे। बाजार की रौनक इन मजदूरों की आय पर टिकी थी। परंतु खदानों के निरंतर बंद होने, नई भर्तियों का अभाव और कर्मचारियों की संख्या घटकर लगभग 3 हजार रह जाने से आर्थिक हलचल लगभग ठहर-सी गई है।धीरे-धीरे वीरान होता व्यापारिक गलियाराधनपुरी नगर पालिका क्षेत्र की जनसंख्या करीब 40 हजार है, लेकिन व्यापारिक चहल-पहल कहीं खो गई है। चारों ओर सिर्फ कोयला खदानों से घिरा धनपुरी, बड़े शहरों या गांवों से किसी बड़े व्यावसायिक मार्ग से नहीं जुड़ता। इससे व्यापार का प्राकृतिक विस्तार बाधित होता है।स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पहले जहां दुकानों पर ग्राहकों की कतारें लगा करती थीं, वहीं अब दिन भर में भी मुश्किल से भीड़ दिखाई देती है। चाय-ठेला से लेकर बड़े दुकानदारों तक सभी व्यवसायी आर्थिक तनाव से गुजर रहे हैं।व्यापारी समाज का बड़ा हिस्सा अपने बच्चों के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता जता रहा है— "जहाँ व्यापार ही नहीं बचेगा, वहाँ रहने का भी क्या मतलब?"जनप्रतिनिधियों से नाराज़गी, योजनाएँ कागज़ों तक सीमितव्यापारियों और नागरिकों में यह धारणा बढ़ती जा रही है कि नगर के विकास हेतु जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। न तो व्यापार बढ़ाने की योजना बनी, न सड़क नेटवर्क बेहतर हुआ और न ही आधुनिक मार्केट के लिए कोई पहल की गई।मॉडल रोड की योजना कभी शहर के विकास का सपना मानी जाती थी। आज़ाद चौक से 3 किलोमीटर हिस्से तक सड़क चौड़ी कर उसे मॉडल रोड में बदलना था। लगभग 200 अतिक्रमण नोटिस जारी तक हुए, लेकिन कार्रवाई वहीं रुक गई।लोगों को हर बार यही कहा गया— "बरसात के बाद काम शुरू होगा"फिर कहा— "दीवाली के बाद प्रक्रिया चालू होगी "लेकिन साल दर साल गुजरते गए और मॉडल रोड सिर्फ उम्मीदों में रह गई।मॉडल रोड—धनपुरी की 'आखिरी उम्मीद'धनपुरी के नागरिकों और व्यापारियों का मानना है कि मॉडल रोड का निर्माण नगर की किस्मत बदल सकता है। सड़क चौड़ी होगी,यातायात सुगम होगा,पार्किंग की व्यवस्था बनेगी,बाजार में लोगों की आवाजाही बढ़ेगी,दुकानें आधुनिक ढांचे में विकसित होंगी,ऐसे में व्यापार को फिर से नया जीवन मिल सकता है। वहीं नगर पालिका हृदय स्थल से मात्र डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर मॉडल रोड निर्माण कार्य कर रही है, लेकिन मुख्य बाजार—आज़ाद चौक से मॉडल रोड अभी भी अधर में है।नगर के 'अंधकारमय भविष्य' की चेतावनीधनपुरी आज जिस स्थिति का सामना कर रहा है, उसके संकेत साफ हैं— यदि व्यापार नहीं बढ़ा, तो नगर का भविष्य और अधिक अंधकारमय हो जाएगा। कोयला उद्योग सिकुड़ रहा है, नए रोजगार नहीं बन रहे, युवाओं का पलायन बढ़ रहा है और बाजार पर छाई सुस्ती गहरी होती जा रही है।समय रहते—विकास योजनाएँ लागू हों,मॉडल रोड पूर्ण हो,बाजारों का आधुनिकीकरण हो,पार्किंग और यातायात व्यवस्था सुधरे,स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिले,तभी धनपुरी को फिर से जीवंत बनाया जा सकता है।

पुलिस–11 थाना अमलाई और ओपीएम अमलाई के बीच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच

ओपीएम की शानदार जीत

अमलाई।

ओरिएंट क्लब ग्राउंड में पुलिस-11 थाना अमलाई और ओपीएम अमलाई के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में ओपीएम अमलाई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 1 विकेट के नुकसान पर 14 ओवर में 75 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया।पुलिस-11 की टीम 15 ओवर में 74 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ओपीएम के गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ रखते हुए पुलिस-11 के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। जवाब में ओपीएम की टीम ने संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी का मिश्रण दिखाते हुए 14वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।यह मैच ओपीएम के सीओओ सीएस काशीकर और थाना प्रभारी जेपी शर्मा के संरक्षण में, तथा जीएम एचआर रवि सिंह और जीएम आईआर सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कल्याण अधिकारी नागेंद्र यादव द्वारा किया गया।मैच के बाद सीओओ सीएस काशीकर ने कहा कि "ऐसे खेल आयोजन टीमवर्क, अनुशासन और सकारात्मकता को बढ़ावा देते हैं। पुलिस और उद्योग के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को मजबूत करने के लिए इस तरह की गतिविधियाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ओपीएम भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक आयोजनों का समर्थन करता रहेगा।थाना प्रभारी जेपी शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन आपसी सहयोग, सौहार्द और खेल भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आगे भी इस तरह के कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।मैच के समापन पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया और विजेता टीम को सम्मानित किया गया। मैदान पर खेल भावना का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला।

धनपुरी नगर पालिका की बैठक हंगामेदार, करोड़ों की निविदाएँ रद्द—विपक्ष मौन

पार्षद का सवालः "हम बोलें तो किस भाषा में बोलें?"

धनपुरी।

नगर पालिका सभागार में सोमवार को हुई परिषद की बैठक चार घंटे तक लगातार हंगामे, आरोप-प्रत्यारोप और तीखी नोकझोंक के बीच चली। विकास कार्यों की धीमी रफ्तार, करोड़ों की निविदाओं के निरस्तीकरण और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर पार्षदों ने कड़ा विरोध जताया। बैठक में अध्यक्ष रविंदर कौर छावड़ा, उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल, सांसद प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह छाबड़ा सहित सभी 28 वार्डों के पार्षद मौजूद रह-विकास ठप, वार्डों में काम नहीं — नाराज़गी चरम परकार्यकाल के अंतिम 15 महीने शेष हैं, लेकिन कई वार्डों में सड़क, नाली, भवन और सामुदायिक ढांचे से जुड़े कार्य अधूरे पड़े हैं।पार्षदों ने सवाल उठाया— "बैठकों में चर्चा तो होती है, पर न टेंडर निकलता है न काम शुरू होता है। जनता जवाब मांग रही है।"सबसे बड़ा सवाल—करोड़ों की निविदाएँ रद्द, पर विपक्ष चुप क्यों?बैठक का सबसे गर्म मुद्दा रहा—कई ई-निविदाओं का एक साथ निरस्त होना।नई ISSR दर सूची के अनुसार निविदाएँ पुनः जारी होंगी, लेकिन निरस्तीकरण का स्पष्ट कारण परिषद में नहीं बताया गया।नगरवासियों में चर्चा गर्म है— "करोड़ की निविदाएँ रद्द हों और विपक्ष खामोश रहेक्या कोई बड़ी गड़बड़ी छिपाई जा रही है?"बैठक में यह भी देखा गया कि कांग्रेस पार्षद और नेता प्रतिपक्ष ने मुद्दों पर बेहद कम और औपचारिक प्रतिक्रिया दी, जिससे विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठने लगे।पार्षद सुकृति सिंह का सवाल—"हिंदी में बोलें तो गलत, अंग्रेजी में बोलें तो भी?"बैठक का माहौल तब और तनावपूर्ण हो गया जब वार्ड 5 की पार्षद सुकृति सिंह ने अपनी बात अंग्रेजी में रखी, जिस पर उपाध्यक्ष ने टिप्पणी की—"हमें अंग्रेजी समझ नहीं आती।"सुकृति सिंह ने कड़ा प्रतिवाद करते हुए कहा— "पिछली बैठक में हिंदी में बोला तो कहा गया समझ में नहीं आया।अब अंग्रेजी में बोल रही हूँ तो कहते हैं समझ नहीं आताआखिर पार्षद किस भाषा में बोलें कि परिषद समझ सके? करें तो करें क्या?सफाई कर्मचारियों की संख्या घटाने पर भी टकरावकई पार्षदों ने आरोप लगाया कि उनके वार्डों में सफाई कर्मचारियों की संख्या कम की जा रही है।सीएमओ ने इस आरोप से इंकार किया, लेकिन पार्षदों का कहना था—"स्वयं सफाई मेठ ने बताया कि मैडम का निर्देश है।"इस मुद्दे को लेकर भी काफी बहस हुई और माहौल गरमा गया।चर्चा में रहे प्रमुख प्रस्तावसलूजा रेसिडेंसी मार्ग पर CC रोड निर्माण हेतु नई निविदासौंदर्यीकरण एवं लैंडस्केपिंग कार्यों में समयवृद्धिवार्ड 2 के अधूरे निर्माण कार्यों की अवधि बढ़ाने का प्रस्तावसरईकापा रोड स्थित वाटर पार्क–स्विमिंग पूल–क्लब हाउस की बाउंड्रीवाल हेतु संशोधित प्राक्कलननगर क्षेत्र में यूनिपोल स्थापित कर राजस्व बढ़ाने का प्रस्तावस्वच्छता सर्वेक्षण में अनियमितताओं पर नई स्पॉट फाइन दरेंनिकाय क्षेत्र में वृद्धाश्रम निर्माण का प्रस्तावनिष्कर्ष — सवालों से घिरी बैठक, जवाब किसी के पास नहींचार घंटे की बहस के बाद भी कई अहम प्रश्न अनुत्तरित रहे—करोड़ की निविदाएँ आखिर क्यों रद्द हुईं?विपक्ष की चुप्पी का कारण क्या है?विकास कार्यों में देरी का जिम्मेदार कौन?पार्षद किस भाषा में अपनी बात रखें कि प्रशासन समझे?क्या कार्यकाल के अंतिम 15 महीनों में विकास कार्य गति पकड़ पाएंगे? नगरवासी अब ठोस कार्रवाई और स्पष्ट जवाबों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

संस्कार विधि महाविद्यालय में मनाया गया मानव अधिकार दिवस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

संस्कार विधि महाविद्यालय मे उत्साह के साथ मानव अधिकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। सभी ने लोकतांत्रिक मूल्यों तथा मानव अधिकार के आदर्शों को हृदय में संजोने तथा राष्ट्रहित व मानव हित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा तथा भारतीय संविधान में दिए गए मौलिक अधिकार पर अपने विचार रखते हुए मानव हित के आदर्शों को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया, इस अवसर पर महाविद्यालय के 'प्राध्यापक गण विद्यासागर मांझी, श्रीमती सरिता चौरसिया, रविन्द्र यादव' एवं अभय शर्मा ने मानव अधिकार की विस्तृत जानकारी छात्र छात्राओं से साझा की मानव अधिकार आयोग के कार्य पर अपने- अपने विचार व्यक्त किए, अनेक विद्यार्थियों ने मानव अधिकार के प्रति अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं और इसके विभिन्न पक्षों पर विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम ने छात्रों में मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। संस्कार लॉ कॉलेज, अनूपपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने में महाविद्यालय के संचालक नवोद चपरा का सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा, साथ ही रामनरेश केवट, लखनलाल केवट, रवि केवट, शिवांगी गुप्ता, सुनील कुशवाहा, कमलेश तथा श्याम बाई का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इसे ज्ञानवर्धक तथा प्रेरणादायी बताया।

अमरकंटक में प्लास्टिक पॉलिथीन उपयोग पर नगर परिषद ने की चालानी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक में नगर परिषद द्वारा अमानक स्तर की प्लास्टिक पॉलिथीन के उपयोग पर बुधवार को विशेष कार्यवाही की गई। नर्मदा तट क्षेत्र में दुकानदारों एवं व्यवसायियों द्वारा प्रतिबंध के बावजूद प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग किए जाने की शिकायत मिलने पर परिषद के दल ने बाजार क्षेत्र में दबिश देकर पॉलिथीन जप्त की और संबंधित दुकानदारों पर चालान जारी किए। नगर परिषद दल ने दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग करते पाए जाने पर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही सभी को पर्यावरण संरक्षण के मद्देनज़र प्लास्टिक थैलियों का उपयोग तत्काल बंद करने की समझाइश दी गई। उल्लेखनीय है कि नर्मदा तट के 100 मीटर के दायरे में प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग सख्ती से प्रतिबंधित है, बावजूद इसके कुछ दुकानदार ग्राहकों को पॉलिथीन थैलियों में सामग्री प्रदान कर रहे थे। आज की कार्यवाही के दौरान अमानक पॉलिथीन जप्त की गई और चालानी कार्रवाई की गई। नगर परिषद अमरकंटक की कार्रवाई करने वाले दल में मनीष विश्वकर्मा, उमाशंकर परमार, राम डोंगरे, ध्रुव कुमार झारिया आदि सदस्य शामिल रहे।

स्कूल में बच्चों से कराई जा रही सफाई, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज:बड़वारा भीम आर्मी ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य को शिकायत पत्र सौपा है। भीम आर्मी जिला उपाध्यक्ष जय सूर्यवंशी ने बताया कि शासकीय माध्यमिक शाला लखाखेरा में बच्चों से साफ सफाई कराये जाने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। बच्चों से स्कूल में काम करवाया जा रहा है। बच्चे स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। स्कूल में झाड़ू लगाने या दरी धोने यह सब काम कर्मचारी का होता है ना कि बच्चों का।

विभिन्न मांगों को लेकर प्रभावित किसानों ने लिया खदान बंद करने का निर्णय

रामपुर बटुरा खदान से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए 10 दिन का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक

रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना प्रभावित किसानों ने कई कई बार अपनी समस्याओं को लेकर प्रशासन एवं प्रबंधन से बातचीत करने का प्रयास किया। समस्या के समाधान के लिए कोशिश की गई लेकिन, ढाक के तीन पात, अंधेर नगरी चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा, यह पुरानी कहावतें मुहावरा रामपुर के किसानों के साथ ठीक बैठ रहा है जब भी प्रबंधन से बात होती है प्रबंधन का एक ही शब्द रहता है हो जाएगा कर देंगे देख लेंगे, प्रशासन भी हां में हां मिला देता है बेचारे किसान तो बेचारे ही हैं। उक्ताशय की जानकारी देते हुए संयुक्त रूप से सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा, जनपद सदस्य चंद्रकुमार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य शांति मनमोहन चौधरी, सरपंच उप सरपंच सहित किसान नेताओं ने सामूहिक रूप से आरोप लगाया है कि किसानों के साथ हो रहे अत्याचार को बंद किया जाए हमारे किसानों को एक साथ संपूर्ण मकान का मुआवजा, आर एंड आर की राशि 3 लाख से बढ़ाकर 10 लाख एवं समस्त पर संपत्ति के मुआवजा का भुगतान, रोजगार की धीमी गति को तेज किया जाए, पुनर्स्थापना की कार्यवाही लंबे समय से लंबित है उसे पूर्ण किया जाए, ऐसे कुछ महत्वपूर्ण विषय या मुद्दा है जिसे गंभीरता से लिया जाए। इस विषय पर किसान नेता आदित्य त्रिपाठी, ओमप्रकाश द्विवेदी पूर्व सरपंच झोले बैगा उप सरपंच राजाराम मिश्रा, राजू सोनी, नेमसहाय, ललन साहू पूर्व सरपंच राजकुमार शर्मा सहित सभी प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दिया है कि आने वाले 10 दिन के अंदर कुछ ठोस पहल नहीं किया गया तो वृहद आंदोलन होगा।

दिया 10 दिन का अल्टीमेटम

10 दिसंबर को प्रशासन और प्रबंधन दोनों को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान विषय को गंभीरता से लेते हुए तत्कालएसडीएम सुहागपुर को निर्देशित किया कि किसानों को नौकरी और मुआवजा नहीं तो खदान को बंद किया जाए मौके पर ही एसडीम सोहागपुर द्वारा दूरभाष से संपर्क कर अग्रिम कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया इसके पश्चात जनप्रतिनिधियों ने बुढार पहुंचकर तहसीलदार बुढार को भी ज्ञापन की कापी दी। बिंद्धुवार समस्याओं को तहसीलदार के समक्ष रखा गया तत्पश्चाप महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचकर बीके जोना को सभी बिंदुओं पर प्रतिनिधिमंडल के द्वारा जानकारी दी गई और 10 दिन का समय दिया गया। समस्याओं का समाधान समय रहते अगर नहीं हुआ तो रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना प्रभावित किसानों के द्वारा संपूर्ण खदान को एवं खदान के अंतर्गत जितने भी प्राइवेट कंपनियां काम कर रही सभी को संपूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा। प्रबंधन एवं प्रशासन सहित थाना प्रभारी को भी आंदोलन की सूचना दी गई है। अब देखना होगा कि समस्याओं का समाधान होता है या किसानों के द्वारा उग्र आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा जिसकी समस्त जवाबदारी एसईसीएल प्रबंधन एवं प्रशासन की होगीत्र। ज्ञापन देने में सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा, जनपद सदस्य चंद कुमार तिवारी, सांसद प्रतिनिधि राजकुमार मिश्रा, उप सरपंच राजाराम मिश्रा, पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी, ललन साहू, उधो साहू, लाला साहू, लखनलाल राठौर, रवि साहू, पंच श्रीमती शांति मनमोहन चौधरी, सदस्य जिला पंचायत सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कुएं में डूबकर वृद्ध की मौत तो कार की टक्कर से दोपहिया सवार काल कलवित

ब्लैक वेडनेस-डे, 4 मौतों ने जिले को झकझोरा

बुधवार का दिन जिले के लिए ब्लैक वेडनेस-डे साबित हुआ। कोतवाली थाना अंतर्गत लखनपुर मे जहां एक परिवार मे तीन लोगों पर जानलेवा हुआ जिसमे दो की मौत व एक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है वही सकरा मे दशगात्र कार्यक्रम मे शामिल होने आये वृद्ध की जगत विहीन कुएं मे गिरकर मौत हो गई तो फुनगा चौकी अंतर्गत इलाज के लिए मां को अस्पताल छोड़कर घर वापस आते समय कार से टकराकर 26 वर्षीय युवक की आकस्मिक मौत ने झकझोर दिया। तीनों ही घटना अप्रत्याशित थी जिससे उनके परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है वही सुनने वालों के भी आंसू नही रूक रहे। सभी घटनाओं मे पुलिसिया कार्यवाही जारी है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

थाना अनूपपुर के लखनपुर गांव के एक घर में किसान और नौकरानी के शव मिले हैं। किसान की पत्नी गंभीर हालत में मिली। तीनों के सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से वार किए गए हैं। किसान के बेटे ने सबसे पहले खून से लथपथ शव देखा। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मृतकों की पहचान राजेंद्र उर्फ बबलू पटेल (40) और सीमा बैगा (25) के रूप में हुई है। राजेंद्र पटेल की पत्नी रूपा पटेल (38) गंभीर रूप से घायल है। सीमा राजेंद्र के घर में काम करती थी। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात गांव के आसपास दो गाड़ियों में 6 लोगों को देखा गया था। ऐसा लगता है कि उन्होंने अपने वाहन गांव से 2-3 किलोमीटर दूर खड़े किए थे। इसके बाद वे राजेंद्र के घर पीछे के खेतों से पैदल आए। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी उसी रास्ते से चले गए, जिससे वापस आए थे। राजेंद्र के बेटे आलोक पटेल ने बताया कि हमारा परिवार खेती करता है। मैं मंगलवार रात 11 बजे घर से ट्रैक्टर लेकर खेत चला गया था। हम पक्का घर बनवा रहे हैं, इसलिए सभी खुले बरामदे में ही सो रहे हैं। आज सुबह जब मैं घर पहुंचा तो पापा खून से लथपथ बरामदे के पिलर पर पड़े थे। नौकरानी सीमा का शव उसके बिस्तर पर था। उसका सिर बुरी तरह कुचला हुआ था। मम्मी की हालत गंभीर हैं, वह कुछ भी बोलने के स्थिति में नहीं थी। उन्हें शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। तीनों एक ही बरामदे में सो रहे थे। आलोक ने कहा- छोटा भाई आयुष पटेल (8) घर के अंदर सो रहा था। उसे किसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

तीनों मामले मे पुलिसिया कार्यवाही जारी

परिवार की किसी से नहीं थी रंजिश

ग्रामीणों का कहना है कि राजेंद्र का परिवार काफी संपन्न है। उनके पास दो ट्रैक्टर सहित खेती किसानी में उपयोग होने वाली कई मशीनें हैं। जिन्हें परिवार किराए पर देता है। कई एकड़ सिंचित खेती है। गांव में किसी से कोई रंजिश भी नहीं है। ग्रामीणों ने बताया है कि राजेंद्र ने दो शादी की हैं। पहली पत्नी छोड़कर चली गई। उससे बेटा आलोक है। दूसरी पत्नी रूपा पटेल है, जिस पर हमला हुआ है। रूपा पटेल से बेटे का नाम आयुष पटेल है। पड़ोसियों ने बताया कि राजेंद्र मूलतः पिपरिया के रहने वाले थे। उनकी पुस्तैनी जमीन लखनपुर में भी थी। करीब 5 साल पहले ही अनूपपुर आए थे। करीब चार दिन पहले देर रात को दो-तीन लोग राजेंद्र पटेल के घर पर आए थे। उनका इरादा घर के बाहर रखा धान चोरी करना था। इसके बाद से राजेंद्र धान की रखवाली के लिए घर के बाहर ही सो रहे थे।

सकरा में कुएं मे डूबकर वृद्ध की मौत

कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत सकरा गांव में 65 वर्षीय वृद्ध की जगत विहीन कुंआ में गिर जाने, डूबने से मौत हो गई। वृद्ध का शव तीसरे दिन मिलने पर पुलिस ने शव बरामद कर जांच में जुटी हुई है। घटना के संबंध में बताया गया कि कोतवाली थाना अनूपपुर से 10 किलोमीटर दूर स्थित सकरा गांव के डोंगरीटोला में अमेले सिंह की छोटी बच्ची के निधन पर आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में पड़ोस के छीरापटपर के सांधा गांव निवासी 65 वर्षीय गंगू सिंह पिता स्वर्गीय अकालू सिंह डोंगरीटोला आए थे जो 7 दिसंबर की रात अन्य रिश्तेदारों से मिलने अंधेरे में स्व. सूरज सिंह के आंगन से जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। आंगन में बने जगत विहीन कुआं में अचानक गिर गए जिससे पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। तीसरे दिन मंगलवार की सुबह स्व. सूरज सिंह की पत्नी संपतिया सिंह कुआं से पानी निकालने के लिए रस्सी में बाल्टी बांधकर पानी निकाल रही थी तभी उसने वृद्ध का शव को पानी में मृत स्थिति में उतराता देखा जिसकी जानकारी परिजनों एवं मोहल्ला वासियों के साथ ग्राम पंचायत सकरा सरपंच संतोष सिंह को दिए जाने पर परिजनों द्वारा कोतवाली थाना अनूपपुर में घटना की जानकारी दी जिस पर सहायक उप निरीक्षक कमलेश तिवारी पुलिस दल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर मृतक के शव को कुंआ से बाहर निकलवाने बाद पंचनामा कर पीएम हेतु जिला अस्पताल भेजते हुए परिजनों एवं अन्य लोगों से पूछताछ करते हुए जांच प्रारम्भ की।

इधर कार व दोपहिया की टक्कर में एक की मौत

बुधवार की सुबह पुलिस चौकी फुनगा के फुनगा चौराहे में एक अज्ञात कार चालक ने मोटरसाइकिल सवार को ठोकर मारी जिससे मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद कार चालक कार ले कर फरार हो गया जिसकी पुलिस द्वारा खोजबीन की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह पुलिस चौकी फुनगा अंतर्गत ग्राम रक्सा निवासी 26 वर्षीय युवक गणेश साहू पिता देवशरण साहू अपनी मां को उपचार करने के लिए मोटरसाइकिल से फुनगा अस्पताल लाया था, मां को अस्पताल में छोड़ने के बाद फुनगा चौराहे पर से रक्सा रोड़ की ओर आ रहा था तभी कोतमा की ओर से तेज गति से आए अज्ञात कार चालक ने तेजी से टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल सवार युवक को गंभीर चोट आने पर चौकी प्रभारी फुगना सोने सिंह परस्ते पुलिस दल के साथ घायल को जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाया जहां परीक्षण के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की उपस्थिति में पुलिस के द्वारा मृतक के शव का पंचनामा कर पीएम कराने के बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंपा वहीं घटना कारित करने वाला कार चालक घटना के बाद से तेज गति से अनूपपुर की ओर कार सहित फरार हो गया जिसकी पुलिस के द्वारा विभिन्न माध्यमों से खोजबीन की जा रही है।

सिर्फ कागज़ों तक सीमित बच्चों की सुविधाएं, जमीन पर बैठकर खुले में ग्रहण कर रहे शिक्षा

संदीपनि विद्यालय खूंटाटोला की बदहाल तस्वीर ने सरकारी शिक्षा योजनाओं की खोली पोल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रदेश में शिक्षा के स्तर को सुधारने और सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए लगातार बड़े-बड़े ऐलान किए जाते रहे हैं। “सब पढ़ें, सब बढ़ें”, “स्कूल चलें अभियान”, “सीएम राइज मॉडल स्कूल”, “गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अभियान” जैसे नारे प्रदेश भर में चलाए गए, लेकिन खूंटाटोला का संदीपनि विद्यालय इन सभी योजनाओं और नारों की धराशायी होती हकीकत को सामने ला रहा है। विद्यालय में बेंच-डेस्क, पर्याप्त कक्षाएँ, स्वच्छ परिसर, डिजिटल साधन, सुरक्षित वातावरणकृइनमें से एक भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। कमरों की कमी इतनी गंभीर है कि विद्यालय प्रबंधन को कई कक्षाएँ स्कूल परिसर के बाहर खुले में लगानी पड़ती हैं। बच्चे धूप, ठंड और बारिश के बीच जमीन पर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। स्थिति ऐसी है कि कई वर्षों से सुधार का दावा किया जा रहा है, पर वास्तविकता जमीनी स्तर पर शून्य है।

स्कूल का नाम तो बदला लेकिन हालत जस की तस

सरकार ने विद्यालय का नाम “सीएम राइज स्कूल” से बदलकर “संदीपनि विद्यालय” कर दिया। नाम बदला, पेंट हुआ, बोर्ड बदलाकृपर वास्तविक सुविधा में जरा भी सुधार नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल का नाम बदलने से बच्चों की शिक्षा नहीं बदलेगी, इसके लिए व्यवस्था बदलने की जरूरत है, जो अब तक नहीं हो पाई। सरकार द्वारा चलाए जाने वाले शिक्षा जागरूकता अभियानों का जिले में व्यापक प्रचार हुआ, लेकिन संदीपनि विद्यालय के हाल इन अभियानों की सच्चाई बता रहे हैं।

न सुरक्षित मार्ग, न बैठने की व्यवस्था

“सब पढ़ें, सब बढ़ें” पर यहाँ बच्चे जमीन पर बैठते हैं। “सीएम राइज मॉडल” यहाँ तो मॉडल की बुनियादी सुविधाएँ तक नहीं। “गुणवत्तापूर्ण शिक्षा” खुले मैदान में क्लास लग रही है। “स्कूल चलें अभियान” पर स्कूल पहुंचने के बाद बच्चों के लिए जगह तक नहीं इन सबके चलते ग्रामीणों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि योजनाएँ केवल कागज़ों पर चल रही हैं, असल में स्कूल तक कोई सुविधा पहुँच ही नहीं रही। विद्यालय आने-जाने की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। बच्चे मजबूरी में ऑटो से स्कूल पहुँचते हैं, जबकि स्कूल पहुँचने के बाद भी उन्हें बैठने तक की उचित व्यवस्था नहीं मिलती। इससे बच्चों की सुरक्षा और मनोवैज्ञानिक विकास दोनों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

कई बार शिकायतें, लेकिन कार्यवाही सिफर

ग्रामीणों और अभिभावकों ने बताया कि विद्यालय की स्थिति को लेकर उन्होंने कई बार शिक्षा विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन न निरीक्षण हुआ और न ही कोई सुधारात्मक कदम उठाया गया। अभिभावकों का कहना है कि “सरकारी अधिकारी केवल वादे करते हैं, लेकिन स्कूल की हालत देखने तक नहीं आते।” संदीपनि विद्यालय खूंटाटोला की स्थिति केवल एक विद्यालय के अव्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह पूरे जिले की सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है कि आखिर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद स्कूलों तक सुविधाएँ क्यों नहीं पहुँचतीं?

तत्काल कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल सुधार करने की मांग की है जिसमे विद्यालय में पर्याप्त कमरे बनाए जाएँ, बेंच-डेस्क उपलब्ध कराए जाएं, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित हो, डिजिटल शिक्षा और मॉडल स्कूल सुविधाएँ लागू की जाएं, बच्चों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि अगर शिक्षा व्यवस्था का यही हाल रहा तो बच्चों के भविष्य अंधकारमय हो जाएंगे।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक 6 एवं 7 दिसंबर को मानस भवन गुना में सम्पन्न हुआ, उक्त प्रांतीय बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री महेंद्र कपूर, कोषाध्यक्ष श्रीसंजय राउत, प्रांताध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौर, महामंत्री राकेश गुप्ता, प्रांतीय कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी, प्रकोष्ठ प्रमुख, आयाम प्रमुख, संभागीय पदाधिकारी सहित समस्त जिलों के पदाधिकारियों ने उक्त प्रांतीय बैठक में अपनी सहभागिता दी, संभाग शहडोल से आयाम प्रमुख अरुण कुमार मिश्रा, प्रांतीय प्रकोष्ठ संयोजक जनजातीय कार्य विभाग अनिल कुमार सिंह, संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा, सचिव हरिहर प्रताप सिंह, संभागीय संगठन मंत्री डॉव नरेंद्र पटेल, जिलाध्यक्ष लालजी तिवारी, सचिव विनोद सिंह ने संभाग शहडोल से उक्त बैठक में उपस्थित रहे। प्रांतीय बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री महेंद्र कपूर का सभी को पाथेय प्राप्त हुआ, पूर्व प्रांतीय बैठक बुरहानपुर की कृत कार्यवाही विवरण का वाचन महामंत्री राकेश गुप्ता द्वारा किया गया, कार्यवाही विवरण वाचन उपरांत सभी ने ओम ध्वनि से स्वीकृति प्रदान किया, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा जारी कलेंडर का विमोचन किया गया, प्रांताध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौर द्वारा सदस्यता अभियान की जिलेवार समीक्षा की जाकर शिक्षकीय समस्याओं पर विंदुवार चर्चा करते हुए चतुर्थ वेतनमान एवं नवीन संवर्ग के शिक्षक साथियों को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता अतिशीघ्र दिलाए जाने की जानकारी दी गई, माह दिसम्बर में 21 या 25 दिसम्बर को जिले की बैठक आयोजित कर मंडल कलस्टर की रचना, कर्तव्य बोध कार्यक्रम, हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ कार्यक्रम पर चर्चा कर संयोजक एवं दो सह संयोजकों की नियुक्ति, जारी कलेंडर एवं हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ पुस्तक का निर्धारित राशि प्राप्त कर वितरण के साथ साथ अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करने के निर्देश दिए गए। उक्त बैठक हेतु प्रांत एवं संभाग से प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। अंतिम सत्र में प्रांताध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौर द्वारा सभी संभागों में संगठन मंत्री एवं सह संगठन मंत्रियों की घोषणा की गई, प्रांतीय जनजातीय कार्य विभाग प्रकोष्ठ संयोजक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि संभाग शहडोल हेतु पुनः डॉव नरेंद्र पटेल जिला अनूपपुर को संभागीय संगठन मंत्री एवं अनिल द्विवेदी जिला शहडोल, विष्णु प्रसाद मिश्रा जिला उमरिया को सह संगठन मंत्री की घोषणा की गई। इस नियुक्ति से निश्चय ही संभाग शहडोल को संगठन को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ संभाग शहडोल नई ऊंचाइयों जाएगा।

जिला पदाधिकारियों ने बैठक में की सहभागिता

अमरकंटक-पेण्ड्रा रोड टैक्सी चालकों के विवाद से पर्यटक परेशान

पवित्र नगरी की पर्यटन छवि पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक तथा छत्तीसगढ़ के पेण्ड्रा रोड रेलवे स्टेशन के बीच संचालित टैक्सी चालकों के बीच चल रहे आपसी विवाद का सीधा असर अब पर्यटकों पर पड़ने लगा है। इस आपसी खींचतान के कारण पर्यटकों को आने-जाने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे क्षेत्र की पर्यटन छवि को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों क्षेत्रों के कुछ टैक्सी चालक आपसी क्षेत्राधिकार और यात्रियों को लेकर विवाद करते हुए देखे जा रहे हैं। कई बार पर्यटकों से अलग-अलग रेट वसूले जाने, वाहन उपलब्ध न कराने तथा आपस में कहासुनी होने के कारण यात्रियों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही है। पर्यटकों का कहना है कि पेण्ड्रा रोड स्टेशन से अमरकंटक आने वाले यात्रियों को कई बार बीच रास्ते में रोका जाता है या अनावश्यक रूप से वाहन बदलने के लिए मजबूर किया जाता है। कुछ पर्यटकों ने यह भी आरोप लगाया कि विवाद के कारण उन्हें देर रात तक वाहन नहीं मिला, जिससे उनकी यात्रा प्रभावित हुई। स्थानीय पर्यटन व्यवसायियों का कहना है कि इस तरह के विवाद से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों में नकारात्मक संदेश जा रहा है, जिसका दीर्घकालीन प्रभाव अमरकंटक के पर्यटन कारोबार पर पड़ सकता है। होटल संचालक, गाइड एवं दुकानदार भी इस स्थिति से चिंतित हैं। प्रशासन से मांग की जा रही है कि दोनों पक्षों के टैक्सी चालकों के बीच बैठक कराकर स्पष्ट नियम बनाए जाएं, रेट सूची निर्धारित की जाए तथा यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की अवैध वसूली या यात्रियों को परेशान करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते इस विवाद का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले पर्यटन सीजन में अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं और सैलानियों की संख्या पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

ग्राम पंचायतों को वृक्षोपज मामलों में मिले महत्वपूर्ण अधिकार

शासन के नवीन आदेश से स्थानीय स्तर पर होगी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता व दक्षता में वृद्धि

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शासन द्वारा वृक्ष संबंधी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों को महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए गए हैं। औद्योगिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई, अनुमति तथा वृक्षोपज प्रबंधन से जुड़ी कार्रवाई अब निर्धारित वैधानिक प्रावधानों के तहत ग्राम पंचायतों के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। 06 अक्टूबर के शासन आदेश के प्रमुख बिंदु वन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल द्वारा 06 अक्टूबर को जारी आदेश में अभिवन (वृक्षोपज) नियम 2022 में संशोधन करते हुए कटाई संबंधी अनुमति प्रक्रिया में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं। शासन आदेश के अनुसार निजी भूमि पर प्रजातियों की कटाई हेतु अनुमति (अनुज्ञा पत्र) या अस्वीकृति प्रमाण-पत्र जारी करने का अधिकार अब संबंधित ग्राम पंचायत को प्रदान किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन प्रजातियों से संबंधित कटाई, प्रस्तावों की समीक्षा, संरक्षण व प्रबंधन के निर्णय हेतु ग्राम पंचायत को सक्षम संस्था घोषित किया गया है। इस संबंध मे न्यू जोन पावर प्रोजेक्ट एवं टोरंट पॉवर अनूपपुर के महाप्रबंधक सुशील कांत मिश्रा ने बताया कि पंचायतें अपने क्षेत्र में प्रस्तावित कार्रवाई का परीक्षण करते हुए शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं स्थानीय निरीक्षण, आवश्यक अभिलेख, एव वैधानिकऔपचारिकताओंका पालन सुनिश्चित करेंगी। परियोजना क्षेत्रों में पंचायतों की भूमिका महत्वपूर्ण सूत्रों के अनुसार विभिन्न परियोजनाओं वाले क्षेत्रों में पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए पंचायतों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है। किसी भी प्रकार की कटाई अथवा अन्य कार्रवाई से पूर्व पंचायत से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा, जिससे स्थानीय हितों की सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन और प्रक्रियागत पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। इस आदेश का लक्ष्य वृक्ष संबंधी मामलों में स्थानीय निकायों को सशक्त बनाना, निर्णय प्रक्रिया को त्वरित करना तथा ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाना है। ग्राम पंचायतों के स्तर पर अनुमति प्रणाली लागू होने से औपचारिक प्रक्रियाएँ और अधिक सरल तथा प्रभावी हों गई है।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा ग्राम पंचायत और स्थानीय निकायों को यूकेलिप्टस बबूल बांस सो बबूल आदि को स्थानीय कृषकों द्वारा अपने जमीन में उक्त वृक्षों को ग्राम पंचायतों की अनुमति से काट सकते हैं ग्रामवासियों द्वारा पंचायत से प्राप्त अधिकारों के तहत अपनी निजी भूमि पर स्थित वृक्षों की कटाई ग्रामसभा के आदेशानुसार निजी उपयोग हेतु की जा रही है। वृक्ष कटाई में कंपनी का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं है। कंपनी द्वारा अपनी आबंटित भूमि पर शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार वृहद वृक्षारोपण किया जाएगा।